भारत के फैसले ने बदली व्यापार कूटनीति

मार्क मोबियस ने बताया वैश्विक रणनीति में बदलाव का कारण

नई दिल्ली, 04 फरवरी. वैश्विक व्यापार समीकरणों में भारत की भूमिका अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रही. हालिया भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते ने न केवल अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का ध्यान खींचा है, बल्कि अमेरिका जैसी महाशक्ति की रणनीति को भी पुनर्विचार के लिए मजबूर कर दिया है.

दिग्गज निवेशक मार्क मोबियस ने कहा- भारत का ईयू के साथ मुक्त व्यापार समझौता अमेरिका को भारत के साथ अपने लंबित व्यापार समझौते को तेजी से पूरा करने के लिए प्रेरित करने वाला एक अहम कारक बना है. अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने ये भी कहा है कि भारत के यूरोपीय संघ के साथ हालिया व्यापार समझौते ने अमेरिका की रणनीति को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया है. उनके अनुसार, इस समझौते के बाद अमेरिका पर भारत के साथ अपने व्यापार करार को जल्द अंतिम रूप देने का दबाव बढ़ गया है. मोबियस ने बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अच्छे संबंधों ने प्रक्रिया को आसान बनाने में मदद की, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को केवल नेताओं की दोस्ती का परिणाम मानना सही नहीं होगा. उनके शब्दों में, समझौते का वास्तविक स्वरूप दोनों पक्षों के वार्ताकारों ने तय किया है. उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को फादर ऑफ ऑल ट्रेड डील कहे जाने पर भी सवाल उठाया और कहा कि भारत का ईयू के साथ हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण साबित हो सकता है. मोबियस के अनुसार, ईयू के साथ समझौते को आगे बढ़ाने का भारत का निर्णय यह दर्शाता है कि देश अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखने को प्राथमिकता देता है.

> भारत की आर्थिक संभावनाओं पर बात करते हुए मोबियस ने विश्वास जताया कि देश निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है. उन्होंने कहा कि अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की विकास गति कहीं अधिक मजबूत है. हालांकि शेयर बाजार को लेकर उन्होंने सतर्क रुख अपनाया. उनके अनुसार, इस वर्ष भारतीय बाजार का 1,00,000 के स्तर तक पहुंचना कठिन प्रतीत होता है, क्योंकि इसके लिए लगभग 20 प्रतिशत की तेज वृद्धि की आवश्यकता होगी.

एप्पल अपने आपूर्तिकर्ताओं के कर्मचारियों को देगा प्रशिक्षण

नयी दिल्ली, 04 फरवरी. अमेरिकी हाईटेक कंपनी एप्पल ने उसके लिए कंपोनेंट बनाने वाली कंपनियों के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए बेंगलुरु में नया शिक्षण केंद्र बनाने की घोषणा की है. एप्पल ने बुधवार को एक बताया कि यह प्रशिक्षण उसके सभी आपूर्तिकर्ताओं के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध होगा.

शिक्षण केंद्र का परिचालन मणिपाल अकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन के सहयोग से किया जायेगा. पहला कोर्स इस साल मार्च में शुरू होगा. इसके लिए पांच करोड़ डॉलर के सप्लायर इम्पलॉई डेवलपमेंट फंड से राशि दी जायेगी. पहले कोर्स में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जायेगा.

सीएफआर ने लगाया बहुउद्देशीय स्वास्थ्य शिविर

नई दिल्ली. 04 फरवरी. नेत्रम आई फाउंडेशन एवं सोशल एक्शन फाउंडेशन के सहयोग से, खानपुर एक्सटेंशन, दक्षिण दिल्ली मेंमानव परोपकारी संस्था (एमपीएस) एवं सेंटर फॉर रिफॉर्म्स (सीएफआर) ने नेत्रम आई फाउंडेशन एवं सोशल एक्शन फाउंडेशन के सहयोग से खानपुर एक्सटेंशन, दक्षिण दिल्ली में एक व्यापक बहुउद्देशीय स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया.

इस शिविर का उद्देश्य समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना था. मानव परोपकारी संस्था (एमपीएस) एवं सेंटर फॉर रिफॉर्म्स (सीएफआर) के अध्यक्ष श्री हरीश दीवान ने जानकारी दी कि इस स्वास्थ्य शिविर में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास परामर्श, एचआईवी जांच, नेत्र परीक्षण, दवाइयों एवं चश्मों का वितरण जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान की गईं. स्वास्थ्य शिविर में लोगों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली, जिसमें लगभग 300 लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया. शिविर के दौरान-

- 90 लोगों को नि:शुल्क चश्मे प्रदान किए गए
- 150 लोगों को आई ड्रॉप्स वितरित किए गए
- 67 लोगों की एचआईवी जांच की गई
- 100 से अधिक लोगों ने नशा मुक्ति एवं पुनर्वास हेतु परामर्श प्राप्त किया

नेत्र परीक्षण के दौरान 50 लोगों में मोतियाबिंद (कैटरैक्ट) की पहचान की गई, जिनमें से 29 लोगों ने नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए सहमति दी. यह ऑपरेशन नेत्रम आई फाउंडेशन की देखरेख में आगामी 15 दिनों के भीतर किए जाएंगे.

बर्मिंघम में ईपीसीएच की सशक्त और उल्लेखनीय भागीदारी

नई दिल्ली, 04 फरवरी. स्प्रिंग फेयर इंटरनेशनल, 2026 एनईसी, बर्मिंघम, यूनाइटेड किंगडम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. ईपीसीएच इंडिया पवेलियन का उद्घाटन भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में हथकरघा डीसी डॉ. एम बीना ने किया.

इस मौके पर श्री अमन बंसल, कॉन्सुल कॉमर्स और एचओसी, जो वर्तमान में भारत के कार्यवाहक कॉन्सुल जनरल के रूप में कार्यरत हैं; श्री निपुण पांडे, अतिरिक्त डीसी (हैंडलूम); श्री राजेश जैन, मेंबर सीओए-ईपीसीएच; प्रोफेसर पैट्रिशियासुमोद, फैशन डिजाइन विभाग, निफ्ट, मुंबई; और भाग लेने वाले सदस्य निर्यातक गणमान्य रूप से मौजूद रहे .ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि यूनाइटेड किंगडम के बर्मिंघम में आयोजित हो रहे स्प्रिंग फेयर इंटरनेशनल जैसे बड़े मंच पर भारत को अपनी बेमिसाल विविधता, समृद्ध संस्कृति और कला एवं शिल्प की लंबी परंपरा को प्रदर्शित करने का शानदार अवसर मिला है. यहां परिषद ने देश के विभिन्न हिस्सों से अपने सदस्य निर्यातकों की यहां भागीदारी सुनिश्चित की है.

भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में हथकरघा डीसी डॉ. एम. बीना ने उद्घाटन के दौरान भारतीय हस्तशिल्प को वैश्विक बाजारों में लाने और देश से हस्तशिल्प के निर्यात को लगातार बढ़ावा देने में परिषद के लगातार प्रयासों की सराहना की.

> ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष ने बताया कि बेहतरीन बनने की हमारी कोशिश में, एक्सपो बाज़ार भारत के दूर-दराज के इलाकों में खरीदारों और छोटे प्रोड्यूसर्स के बीच सीधा कनेक्शन बनाने के लिए डेडिकेटेड है. हमारे जस्ट इन टाइमबिज़नेस मॉडल ने हमारे पूरे सप्लाई चेन मैनेजमेंट को आसान बना दिया है, जिसे यूके, ईयूऔर यूएसएमें 4 डेडिकेटेड बी2बी शोरूम और 3 ऑनलाइन मार्केटप्लेस का सपोर्ट मिला है.

सेवा क्षेत्र की रफ्तार जनवरी में और बढ़ी

मुंबई, 04 फरवरी. नये ऑर्डर और उत्पादन में तेजी से इस साल जनवरी में सेवा क्षेत्र की रफ्तार और तेज हो गयी तथा इसका एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई कोरोबारी गतिविधि सूचकांक 58.8 पर पहुंच गया. पिछले साल दिसंबर में सूचकांक 58 पर रहा था. सूचकांक का 50 से ऊपर रहना वृद्धि को और इससे नीचे रहना गिरावट को दर्शाता है जबकि 50 का स्तर स्थिरता का द्योतक है. भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने बुधवार को जारी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह आंकड़ा सेवा क्षेत्र की सतत गति को दर्शाता है. नये ऑर्डरों में स्थिर वृद्धि के दम पर उत्पादन मजबूत बना हुआ है. दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया समेत विदेशों से मांग में वृद्धि हुई है.

डीडीए और एनबीसीसी में साझेदारी का विस्तार

नई दिल्ली,04 फरवरी. पूरक समझौता ज्ञापन विश्वस्तरीय आगंतुक अनुभव, निर्बाध संचालन और समय पर परियोजना पूर्ण करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है.

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने मूल करार का विस्तार करने हेतु पूरक समझौता ज्ञापनपर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए जिसके अंतर्गत एनबीसीसी भारत वंदना पार्क,सेक्टर-20, द्वारका के विकास के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में कार्य करना जारी रखेगा.

विस्तारित करार के तहत, एनबीसीसी को अंतरिम प्रचालन और अनुरक्षण (ओ एंड एम) की जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं, जिसमें एक समर्पित ओ एंड एम एजेंसी का चयन और उसे ऑनबोर्डकरना शामिल हैताकि जनता के लिए पार्क के चरणबद्ध उद्घाटन के दौरान पार्क का सुचारू और प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके.

एनबीसीसी, ऑनबोर्डिंग के बाद आरंभिक दो वर्षों के लिए व्यापक कार्यान्वयन सहायता प्रदान करेगा, जिसमें एक वर्ष की दोष दायित्व अवधि शामिल होगी, जिससे परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, सुरक्षा और संधारणीयता सुनिश्चित होगी. पूरक समझौता ज्ञापन उन्नत आगंतुक सुविधाएं, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और प्रभावी प्रचालन प्रबंधन सहित उत्कृष्ट शहरी हरित क्षेत्र का निर्माण करने के डीडीए और एनबीसीसी के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित करता है.यह निरंतर सहयोग शेष विकास कार्यों को समय पर पूरा करने और सार्वजनिक अवसंरचना के उच्च मानकों को बनाए रखने के प्रति मजबूत संस्थागत प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी, सेंसेक्स हरे निशान में

78.56 अंक से आगे पहुंचा सेंसेक्स

48.45 अंक की बढ़त पर रहा निफ्टी

नई दिल्ली, 04 फरवरी. भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी दिन तेजी देखने को मिली, हालांकि यह बढ़त आसान नहीं रही.

कारोबारी सत्र के दौरान बाजार दबाव में नजर आया, लेकिन अंतत: सेंसेक्स और निफ्टी दोनों हरे निशान में बंद होने में सफल रहे. विदेशी संस्थागत निवेशकों की मजबूत खरीदारी और चुनिंदा सेक्टरों में आई तेजी ने बाजार को संभालने का काम किया.

भारतीय शेयर बाजार में 04 फरवरी को लगातार दूसरे कारोबारी दिन तेजी दर्ज की गई. बीएसई सेंसेक्स 78.56 अंकों की बढ़त के साथ 83,817.69 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 भी 48.45 अंकों की तेजी के साथ 25,776 के स्तर पर पहुंच गया. दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा और आईटी सेक्टर की भारी गिरावट ने दबाव बनाए रखा.

मेगा टेक्सटाइल पार्क औद्योगिक भारत की नई पहचान

नई दिल्ली 04 फरवरी. भारत का वस्त्र उद्योग केवल एक आर्थिक क्षेत्र नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान, ग्रामीण आजीविका और औद्योगिक क्षमता का जीवंत प्रतीक है.

सदियों पुरानी हथकरघा परंपराओं से लेकर आधुनिक तकनीकी वस्त्रों तक फैला यह उद्योग आज भारत की विकास यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है. केंद्रीय बजट 2026-27 ने इस क्षेत्र को केवल समर्थन ही नहीं दिया, बल्कि इसे भविष्य की अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ मानते हुए एक स्पष्ट और दूरदर्शी रोडमैप प्रस्तुत किया है. श्रम-प्रधान होने के कारण वस्त्र उद्योग रोजगार सृजन, विशेषकर महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के लिए, अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. बजट में घोषित नीतियाँ- राष्ट्रीय फाइबर योजना, मेगा टेक्सटाइल पार्क, टेक्स -ईसीओ पहल, समर्थ 2.0 और एमएसएमई -केंद्रित वित्तीय सुधार- इस उद्योग को अधिक प्रतिस्पर्धी, आत्मनिर्भर टिकाऊ बनाने की दिशा में ठोस कदम हैं.

अकासा एयर के बेड़े में 33वां विमान शामिल

नई दिल्ली, 04 फरवरी. नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर के बेड़े में बुधवार को 33वां विमान शामिल हुआ. एयरलाइन ने बताया कि नया बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान आज बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर उतरा. इस साल कंपनी के बेड़े में शामिल होने वाला यह दूसरा विमान है.

अकासा लगातार अपने बेड़े और नेटवर्क का विस्तार कर रही है. उसने साल 2030 तक दुनिया की शीर्ष 30 विमान सेवा कंपनियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है.

चांदी में 11,700 का उछाल, सोना फिर चमका

कीमती धातुओं की कीमतें रिकॉर्ड स्तर की ओर

नई दिल्ली. 04 फरवरी. सोने और चांदी की कीमतों में लगातार तेजी से निवेशकों और उपभोक्ताओं-दोनों की निगाहें बुलियन बाजार पर टिक गई हैं. बुधवार को सर्राफा और कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं ने एक बार फिर तेज छलांग लगाई.

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, डॉलर की चाल और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के बीच सोना और चांदी नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ते नजर आए. सुबह के कारोबार में ही चांदी की कीमतों में करीब 11,700 प्रति किलो का उछाल दर्ज किया गया, जबकि सोना भी लगभग 4,700 प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया. इस तेजी ने बाजार में हलचल बढ़ा दी है और आगे और उतार-चढ़ाव की संभावना जताई जा रही है. विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरर्राष्ट्रीय बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत, फ्यूचर्स मार्केट में मजबूत खरीदारी और निवेशकों का जोखिम से बचने का रुख, इस तेजी के प्रमुख कारण हैं.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी सोने के वायदा भाव में जोरदार उछाल देखने को मिला, जिसने बाजार की दिशा को और मजबूत किया. बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला, जिससे बुलियन बाजार में हलचल तेज हो गई.

समाचार विशेष

गोवा की राजनीति में बदलाव की तैयारी

आम आदमी पार्टी ने 2027 के लिए जमीनी स्तर पर कस ली कमर

पणजी. गोवा की राजनीति में बदलाव की आहट अब साफ़ सुनाई देने लगी है. आम आदमी की उम्मीदों, युवाओं की आकांक्षाओं और ईमानदार शासन की चाह को लेकर अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पूरे राजनीतिक फोकस के साथ गोवा में सक्रिय नजर आ रहे हैं.

गोवा राज्य समिति के साथ शनिवार को हुई बैठक और संवाद केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि यह 2027 के विधानसभा चुनावों की ठोस, ज़मीनी और दीर्घकालिक तैयारी का स्पष्ट संकेत है. बैठक में नेताओं ने कहा कि गोवा में बड़े स्तर पर ज़मीन का गलत इस्तेमाल हो रहा है. खेती की खाज़ान ज़मीन को नुकसान पहुँचाया जा रहा है और झीलों व नदियों को भी बर्बाद किया जा रहा है. नेताओं का कहना था कि भाजपा की गलत नीतियों और बिना सोचे-समझे किए जा रहे विकास के कारण गोवा का पर्यावरण खराब हो रहा है और लोगों की रोज़ी-रोटी पर असर पड़ रहा है. आम आदमी पार्टी की राजनीति हमेशा सत्ता के लिए नहीं, बल्कि जनता के लिए रही है. इसी सोच के साथ आम आदमी पार्टी अब गोवा में संगठन को बूथ स्तर तक मज़बूत करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रही है.

> **मजबूत वैकल्पिक राजनीति खड़ी कर रही**
>
> केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी गोवा में केवल चुनावी गणित नहीं देख रही, बल्कि जनभावना को समझकर एक मजबूत वैकल्पिक राजनीति खड़ी कर रही है. संगठन को गांव, वार्ड और बूथ स्तर तक मजबूत करना, स्थानीय नेतृत्व को आगे लाना, युवाओं और महिलाओं को राजनीति से जोड़ना, ये सभी कदम 2027 की तैयारी को ठोस आधार देते हैं. यह स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी किसी तात्कालिक लहर पर नहीं, बल्कि स्थायी बदलाव की बुनियाद पर आगे बढ़ रही है. गोवा की जनता के लिए यह संदेश साफ़ है कि बदलाव संभव है. ईमानदार नेतृत्व, साफ़ नीयत और जनता के साथ मिलकर काम करने की राजनीति ही भविष्य का रास्ता है.

पंकज चौधरी क्या अब इस्तीफा देंगे?

लखनऊ. वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी इस समय दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं. वैसे यह कोई बड़ी या अनहोनी बात नहीं है.

कुछ समय पहले तक जेपी नड्डा भी दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे थे. वे राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री दोनों थे. सीआर पाटिल भी गुजरात के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री थे. इसी तरह केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी को पिछले दिनों उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया तो वे दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं. पहले कहा जा रहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सरकार में फेरबदल करेंगे तो पंकज चौधरी को मंत्री पद से मुक्त कर दिया जाएगा और वे उत्तर प्रदेश के संगठन की जिम्मेदारी संभालेंगे.

लेकिन अब कहा जा रहा है कि नरेंद्र मोदी पता नहीं कब मंत्रिमंडल में फेरबदल करेंगे इसलिए उसका इंतजार करने की बजाय पंकज चौधरी का मंत्री पद से इस्तीफा कराया जाए. पहले इसलिए इस्तीफा नहीं कराया गया क्योंकि वे वित्त राज्यमंत्री थे और बजट की तैयारी चल रही थी. बजट से पहले वित्त राज्य मंत्री का इस्तीफा होता तो उसका गलत मैसेज जाता, भले बजट बनाने में उनका कोई रोल हो या नहीं हो. अब बजट पेश हो गया है तो कहा जा रहा है कि पंकज चौधरी इस्तीफा देंगे.

मोगा की राजनीति में फेरबदल शुरू

कांग्रेस-पुनर सुरजीत गुट के नेताओं ने की अकाली पार्टी जॉइन

मोगा. मोगा जिले में कांग्रेस के साथ-साथ पूनर-सुरजीत गुट को बहुत बड़ा झटका लगा जब पूर्व कांग्रेस विधायक राजविंदर कौर भागीके और पुनर-सुरजीत गुट के नेता हरभूपिंदर सिंह लाडी ने अकाली दल अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हो गए.

अकाली दल अध्यक्ष के निहाल सिंह वाला के बुटटरकलां गावं के दौरान वह पार्टी में शामिल हो गए. इससे निहालसिंह वाला हलके में पार्टी बहुत मजबूत हुई है. इस अवसर पर इन दो नेताओं के अलावा पार्टी में शामिल होने वाले नौजवान नेता जसदीप सिंह अपने 200 समर्थकों के साथ पूर्व ब्लॉक समिति मैंबर गुरदेव सिंह भागीके, ब्लॉक समिति सदस्य पलविंदर सिंह बुटटर, पूर्व सरपंच हरमेल कौर रामूलवाल हरचोके और एडवोकेट अमनिंदर सिंह बुटटर शमिल हुए. इस अवसर पर संबोधित करते हुए सरदार सुखबीर सिंह बादल ने पंजाबियों से आग्रह किया कि वे पुनर सुरजीत अकाली दल से सावधान रहें. उन्होने कहा कि इस गुट ने केंद्रीय एजेंसियों से मिलकर अकाली दल को खत्म करने की साजिश रची थी.

सुखबीर बादल ने कहा कि अब जब पुनर सुरजीत पार्टी पर भरोसा न जताकर जनता ने इनकी साजिश को नाकाम कर दिया. इसके प्रमुख ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने स्वीकार किया है कि वे मुझे अकाली दल में दस साल तक कोई भी पद पर जाने से प्रतिबंधित करना चाहते थे. वह पंथ विरोधी ताकतों का दृढ़ता से विरोध करने करेंगें. सरदार बादल ने कहा कि न तो मैंने और न ही सरदार परकाश सिंह बादल ने कभी सिख समुदाय यां पंजाब के हितों से समझौता किया है. समुदाय, पंजाब और अकाली दल की प्रतिष्ठा मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. अकाली दल अध्यक्ष ने यह भी बताया कि पंजाबी महसूस कर रहे हैं कि अकाली दल उनके हितों का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करती है, क्योंकि यह राज्य मं एक क्षेत्रीय पार्टी होने के नाते अपनी जड़ों से जुड़ी हुई है.

> **पार्टियों ने राज्य के हितों के साथ विश्वासघात किया**
>
> सुखबीर बादल ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने उनके हितों के साथ विश्वासघात किया है और किसानों, नौजवानों, हाशिए पर पड़े वर्गों यां व्यापार और उद्योग की भलाई में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है. उन्होने कहा कि पुनर सुरजीत अकाली दल भी जनता का विश्वास जीतने में विफल रही है, क्योंकि पंजाबियों को लगता है कि यह पंजाब विरोधी ताकतों का मुखौटा है. यही कारण है कि नेता इस गुट को छोड़कर अपनी मां पार्टी में वापिस लौट रहे हैं.

विशेष | बारामती वापसी और नीरा नदी दौरा राजनीतिक संकेत

शरद पवार फिर लौटे पावर पॉलिटिक्स की ओर!

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों एक शब्द 'पवार प्ले' एक बार फिर चर्चा में है. कई दिनों से राजनीतिक बयानबाजियों से दूरी बना चुके शरद पवार एख बार फिर, अजित पवार की विमान हादसे में मौत के बाद अचानक फिर सक्रिय दिखाई दिए हैं. बारामती और नीरा नदी के बहाने उनका यह कदम यह संकेत देता है कि वे अब भी सत्ता और संगठन की राजनीति में पूरी तरह मौजूद हैं.

महाराष्ट्र राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार ने पिछले 50 सालों में राजनीति में दृश्य और प्रतीकों का बेहद प्रभावी इस्तेमाल किया है. कहा जाता है कि एक तस्वीर हजार शब्द कहती है, और पवार इस कला के माहिर खिलाड़ी रहे हैं. हालिया घटनाक्रम में भी यही देखने को मिला, जब उन्होंने बीमारी का हवाला देते हुए नगर निकाय चुनावों से दूरी बनाई, लेकिन सही मौके पर फिर सामने आए. उनका अचानक टीवी स्क्रीन पर लौटना और इसके तुरंत बाद बारामती पहुंचना केवल पारिवारिक शोक का मामला नहीं था.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक सोच-समझकर उठाया गया कदम था, जिसने राजनीतिक गलियारों में यह संदेश दिया कि नेतृत्व शून्य नहीं हुआ है. बारामती, जिसे पवार परिवार का गढ़ माना जाता है, वहां उनकी मौजूदगी ने निरंतरता का संकेत दिया.

नीरा नदी दौरा से क्या संदेश दिया?- नीरा नदी के किनारे शरद पवार का दौरा कागजों पर पर्यावरण और प्रदूषण की समीक्षा था. उन्होंने नदी की बदहाली पर नाराजगी जताई और तत्काल कार्रवाई की मांग की. लेकिन अनुभवी राजनीतिक पर्यवेक्षकों के लिए इस दौरे का अर्थ कहीं गहरा था. इस उपस्थिति के जरिए पवार ने साफ किया कि अजित पवार के निधन के बाद भी बारामती 'अनाथ' नहीं हुई है.

यह राज्य की राजनीतिक मशीनरी को एक स्पष्ट संदेश था कि वे न केवल सक्रिय हैं, बल्कि भविष्य के राजनीतिक संक्रमण में दिशा तय करने की क्षमता भी रखते हैं. यह वही पुराना पवार प्लेबुक है, जो समय के साथ और निखरी है.

> **ऐसे ही रहे हैं शरद पवार!**
>
> ये पहली बार नहीं है जब शरद पवार ने कोई ऐसा कदम उठाया हो. वे पहले भी ऐसे राजनीतिक प्रतीकों के जरिए खुद को उचित साबित करते रहे हैं. 1990 के दशक में रक्षा मंत्री रहते हुए अरब सागर में 'जैकस्टे' अभ्यास में हिस्सा लेना हो या सतारा में बारिश में भीगते हुए दिया गया भावुक भाषण, हर बार एक मजबूत छवि गढ़ी गई. सतारा की उस रैली ने, जब पार्टी टूट के दौर से गुजर रही थी, एनसीपी को सहानुभूति की लहर में फिर मजबूत कर दिया और आगे चलकर महाविकास आघाड़ी की नींव पड़ी. आज, अजित पवार के निधन और एनसीपी के संभावित पुनर्मिलन के बीच, नीरा नदी का दौरा उसी रणनीति की नई कड़ी है.